RNI | ISSN No.

अनुस्वार

वर्ष : 1 त्रैमासिक अंक : 1 मूल्य : 50/- जनवरी - मार्च, 2021

समसामयिक हिंदी साहित्य का गतिमान रचनाधर्मी

लालित्य ललित

अतिथि संपादक

प्रेम जनमेजय

ISSN No :

वर्ष 1–त्रैमासिक अंक 1–(जनवरी-मार्च 2021)

अनुस्वार

साहित्य एवं कला की त्रैमासिक पत्रिका

अतिथि संपादक
प्रेम जनमेजय

मुख्य संपादक
डॉ. संजीव कुमार
प्रबंध संपादक
डॉ. मनोरमा
कार्यकारी संपादक
कामिनी
आवरण सज्जा
शुभ्रा मणि

प्रकाशकीय/संपादकीय कार्यालय : अनुस्वार सी-122, सेक्टर-19, नोएडा-201301 गौतमबुद्ध नगर (दिल्ली एनसीआर)
मुद्रण कार्यालय : बालाजी ऑफसेट, (न्यू-एम-28), 1/11844, उल्धनपुर, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032
वितरण कार्यालय : इंडिया नेटबुक्स प्रा. लि., सी-122, सेक्टर-19, नोएडा-201301 गौतमबुद्ध नगर (दिल्ली एनसीआर)

© **स्वत्वाधिकार :** संपादक : डॉ. संजीव कुमार
आवरण : विनय माथुर
टाइपिंग सेटिंग : विनय माथुर

मूल्य : सामान्य प्रति : 50 रुपये
विशेषांक प्रति : 100 रुपये
वार्षिक : 600 रुपये
द्विवार्षिक : 1000 रुपये

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा, किसी भी रूप में या किसी भी प्रकार से इलेक्ट्रॉनिक, मशीनी या फोटोकॉपी या रिकॉर्डिंग द्वारा प्रतिलिपित या प्रेषित नहीं किया जा सकता।

विशेष सूचना

अनुस्वार में लिखित सामग्री लेखक/लेखिका के अपने विचार है,
जिसके लिए संपादक, प्रकाशक या मुद्रक उत्तरदायी नहीं होगा।

डॉ. संजीव कुमार के लिए, डॉ. संजीव कुमार, सी-122, सेक्टर-19, नोएडा-201301 गौतमबुद्ध नगर (दिल्ली एनसीआर) द्वारा प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट, (न्यू-एम-28), 1/11844, उल्धनपुर, नवीन शाहदरा-110032, से मुद्रित।

अतिथि संपादक : प्रेम जनमेजय

अनुक्रम

मुख्य संपादक की ओर से *7*

अतिथि संपादक उवाच *9*

आत्मकथ्य

यात्राएँ और पड़ाव 13

निकष पर काव्याभिव्यक्तियों के शब्दार्थ

गाँव और शहर के अंतर्विरोधों का सामना	:	प्रताप सहगल	21
मनुष्यता को रोपने की जिद	:	हरीश पाठक	23
अपनी जमीन निर्मित करती काव्याभिव्यक्तियाँ	:	प्रेम जनमेजय	24
अर्थ अमित आखर अति थोरे	:	गंगाराम राजी	29
कवितामय जीवन या जीवनमय कविता	:	डॉ. हरिसुमन बिष्ट	32
आकर्षित करता है ललित का काव्य-लोक	:	गिरीश पंकज	35
अलग तरह की ध्वनियाँ उत्पन्न करती कविताएँ	:	पंकज सुबीर	36
बोलती बतियाती कविताएँ	:	रामस्वरूप दीक्षित	39
बहुत कुछ बाकी है अनकहा	:	डॉ. नीरज दइया	41
त्वरा के साथ स्वरा का वरण	:	डॉ. राजरानी शर्मा	43
समग्रता और समसामयिकता	:	डॉ. तबस्सुम जहां	45
मेरी कविता समझदार किसिम के लोगों पर	:	विपिन कुमार शर्मा	48

निकष पर हास्य-व्यंग्य का रचना संसार

ध्यान आकर्षित करने वाली दीवाली में सन्नाटा	:	सूर्यबाला	51
लालित्य ललित की व्यंग्य यात्रा	:	नीरज दहिया	53
ललित के व्यंग्य : ज़िंदगी का कोलाज	:	अरविंद तिवारी	57
एक बार चख तो लो पांडेयजी के लड्डुओं का स्वाद!	:	प्रो. बल्देव भाई शर्मा	59
जीवन की आकृति उकेरने वाला कुशल चितेरा	:	रमेश सैनी	61
लालित्य ललित के व्यंग्य और उसकी भाषा	:	विनोद साव	63
लालित्य ललित के व्यंग्य से गुजरते हुए	:	सुभाष चंदर	66
व्यंग्य काज कीन्हे बिनु लालित्य कहाँ विश्राम...!	:	पिलकेंद्र अरोरा	69
ललित आंदोलन	:	राजेशकुमार	71
विशाल मध्यवर्ग के प्रतीक पुरुष विलायतीराम पांडेय	:	अनुराग वाजपयी	74
व्यंग्य के अक्षय कुमार हैं लालित्य ललित	:	डॉ. संदीप अवस्थी	77

उम्र के पड़ावों को पीछे छोड़ता एक प्रखर रचनाकार	:	प्रभात गोस्वामी	78
आम आदमी की विसंगतियों पर चोट करने में सक्षम	:	मधु आचार्य आशावादी	80
अनुभूतिपरक स्थितियों पर मारक व्यंग्य में माहिर	:	रणविजय राव	72
जिंदगी की जंग और पांडेयजी	:	जयप्रकाश पांडेय	85
समकालीन हिंदी व्यंग्य के अग्रज ध्वजवाहक	:	हरीश कुमार सिंह	87
विलायतीराम पांडेय आम जीवन का महानायक है	:	चंद्रकांता	89
हास्य-व्यंग्य की दुनिया का गतिमान खिलाड़ी	:	प्रेम जनमेजय	96

आत्मकथ्य

जो लिख दिया सो लिख दिया	:	रणविजय राव	100
व्यंग्य में फूहड़ता का स्थान नहीं	:	सुनील जैन राही	106
कविता का अपना सौंदर्य है	:	चन्दन राय से संवाद	108
व्यंग्य कल आज और कल	:	रामगोपाल शर्मा की बातचीत	111
व्यंग्य तीर चलाते हैं : लालित्य ललित	:	सुनील जाधव से संवाद	114

मेरे लिए तुम्हारा होना : संस्मरण शृंखला

मेरी यादों के पहाड़ में वह खुशदिल शख्सियत	:	देवेन्द्र मेवाड़ी	119
लालित्य ललित एक मस्तमौला बहुआयामी व्यक्तित्व!	:	तेजेन्द्र शर्मा	122
विलक्षण प्रतिभा वाला व्यक्तित्व	:	सुधा ओम ढींगरा	124
एक अपना सा चेहरा	:	सुरेश सेठ	126
राजेश्वरी के मन की बातें	:	राजेश्वरी मंडोरा	128
लालित्य ललित दिलकश दिलदार दोस्त	:	डॉ. श्याम सखा श्याम	132
लालित्य ललित जी से मेरा पहला साक्षात्कार	:	पुष्पिंदरा चगती भंडारी	132
My Father From My Eyes	:	Sanskriti Mandora	133

भूमिका लेखन में भूमिका

व्यंग्य के सुपरिचित हस्ताक्षर	:	भाई दिलीप तेतरबे	135
ईमानदारी से लिखे गए व्यंग्य	:	डॉ. लालित्य ललित	136
अशोक व्यास के व्यंग्यों से गुरजना	:	डॉ. लालित्य ललित	138
नया वितान रचती प्रियंका जादौन की कविताएँ	:		140
पारुल तोमर की कविताओं से गुजरना	:		142
पुष्पिंदरा चगती भंडारी की कविताएँ स्पंदित करती हैं	:		144

लालित्य ललित की रचनाएँ

दिवाली का सन्नाटा	:	लालित्य ललित	146
पांडेयजी चैनल और अंतरराष्ट्रीय सीमा	:		149

स्वास्थ्य साहित्य

थैंक्यू कोरोना बनाम काम के गुलाम : डॉ. श्याम सखा श्याम 154

पहली कलम से

ग़ैर हाज़िर कंधे : प्रभात शुक्ला 156

सेवा का मूल्य : अर्चना मिश्र 160

काव्याभिव्यक्तियाँ

गाँव का खत : शहर के नाम : 162

शुभ्रामणि की कविताएँ : 168

गीता पंडित की कविताएँ : 170

प्रगति राय की कविताएँ : 171

रश्मि चौधरी की कविता : 172

नीरज मनमीत की कविता : 173

पारमिता षाडंगी की कविता : 174

विवेक रंजन की कविताएँ : 174

डॉ. राहुल की कविताएँ : 175

शशि किरण की कविताएँ : 175

अरूण शेखर की कविताएँ : 178

सोनीलक्ष्मी की कविताएँ : 180

विविध साहित्य

मॉब लिंचिंग : कारण और निवारण : सन्तोष खन्ना 181

समाचार का अनुस्वार **188**

इंडिया नेटबुक्स के महत्वपूर्ण आयोजनों एवं :
व्यंग्य यात्रा को मिले सम्मान समाचार

पुस्तक समीक्षा

उम्र भर देखा किए (जीवनी सूरज प्रकाश लेखक : विजय अरोड़ा) 190

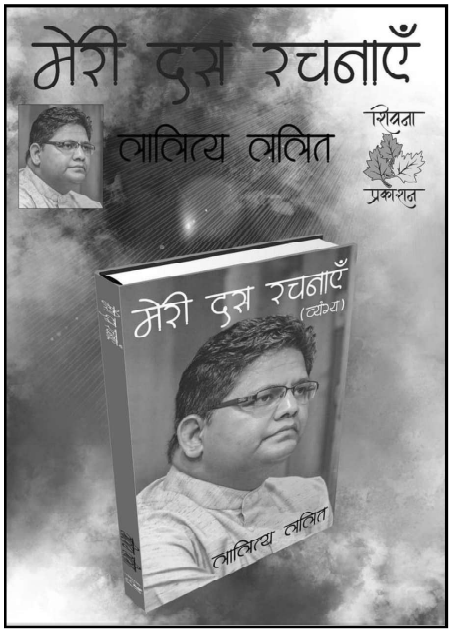

मेरी दस रचनाएँ
लालित्य ललित
शिवना प्रकाशन
मेरी दस रचनाएँ
(व्यंग्य)
लालित्य ललित

लालित्य ललित के चुनिंदा व्यंग्य
आलोकपर्व
कबीर
पाण्डेय जी के किस्से